

साँवरिया मोरी नैया तरा दे भजन लिरिक्स



साँवरिया मोरी नैया तरा दे,
नैया तरा दे पार लगादे।bd।

नंद नाई सदन कसाई,
भई मस्तानी मीरा बाई,
ऐसा ही मुझे मस्त बनादे,
साँवरिया मोरी नैया तरा दे,
नैया तरा दे पार लगादे।bd।

दुपद सुता के चीर बढ़ाओ,
गज के आकर फंद छुड़ाओ,
ऐसा ही मुझे रूप दिखादे,
साँवरिया मोरी नैया तरा दे,
नैया तरा दे पार लगादे।bd।

मोह के बस में अर्जुन आया,
रूप विराट से हर ली माया,
ऐसा ही मुझे रूप दिखादे,
साँवरिया मोरी नैया तरा दे,
नैया तरा दे पार लगादे।bd।

साँवरिया मोरी नैया तरा दे,
नैया तरा दे पार लगादे।bd।

गायक / प्रेषक – राजेन्द्र प्रसाद सोनी ।
8839262340
